6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण
अमर उजाला
बरेली | बुधवार, 1 नवंबर 2023

PAGE NO 9 : BOTTOM

डॉक्टर की जिंदगी में शक ने घोला जहर

बरेली। रिद्धिमा सभागार में चल रहे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में मंगलवार को अनकही अन-जली नाटक का मंचन हुआ। मुंबई के इंदिरा नाग प्रोडक्शन पंख थिएटर ग्रुप के नाटक का निर्देशन मुकुल नाग ने किया। नाटक शहर के प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डा. सुनील कुमार चौहान पर आधारित है। वह बेहद शक्की हैं। चार साल के अफेयर के बाद वह डा. अंजली से शादी करते हैं। पार्टी में जाते वक्त सड़क हादसे में डा. चौहान घायल हो जाते हैं। पीछे की सीट पर बैठे बचपन के दोस्तों को खरोंच तक नहीं आती। डा. चौहान हादसे का जिम्मेदार अंजली को मानते हैं। छह साल बाद भी वह अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पाते। तभी बीवी अंजली के मां बनने की खबर मिलती है। वह बच्चे का पिता दोस्त डॉ. अय्यर को मानते हैं। वह अंजली का गला घोंट देते हैं। मैनेजर अफजल डा. चौहान को पागलखाने में भर्ती करवा देते हैं। अफजल को डा. चौहान की सारी संपत्ति मिल जाती है। मुख्य अतिथि ऊषा गुप्ता ने एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. अनुज कुमार व डॉ. रीता शर्मा के साथ मंचन का शुभारंभ किया। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति, नीता कुदेशिया, डा. रजनी अग्रवाल उपस्थित रहे। संवाद